संशोधित संलग्नक 1ख

(प्रोजेक्ट वर्क के लिए प्रोजेक्ट मैनुअल में दिए गए संलग्नक 1ख की बजाए इसको भरें)

विद्यार्थी द्वारा मौलिक और विधिवत् पूर्ण (Original and duly completed) प्रोजेक्ट वर्क का प्रमाण-पत्र

मैं प्रमाणित करती/करता हूँ कि मैंने .... (अपना नाम), नामांकन संख्या .... सुश्री/श्रीमती/श्री .... (गाइड का नाम) के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में .... स्कूल में (नर्सरी स्कूल का नाम व पता) नियत अवधि .... में (कुल दिन) .... दिनॉक (परियोजना कार्य शुरू करने की तिथि) से .... दिनॉक (परियोजना कार्य पूर्ण होने की तिथि) में पूरा किया है।

मैंने प्रोजेक्ट वर्क के लिए निम्नलिखित कार्य पूरे किए–

1. पहले चरण में मैंने गाइड द्वारा बच्चों के साथ किए गए 5 दिनों का विश्लेषण किया है।
2. दूसरे चरण में मैंने 30 क्रिया सत्रों की योजना बनाकर उन्हें आयोजित किया।
3. तीसरे चरण में मैंने पाँच दिनों के लिए पाठ्यचर्या की योजना बनायी और न्यूनतम 15 और अधिकतम 20 क्रिया सत्रों की योजना बनाकर उन्हें आयोजित किया।
4. मैंने बच्चों के साथ चरण 2 में आयोजित किए गए 30 क्रिया-सत्रों की रिपोर्टें लिखीं और चरण 3 में बच्चों के साथ आयोजित न्यूनतम 15 और अधिकतम 20 क्रिया सत्रों की रिपोर्ट लिखीं।
5. अपने परियोजना कार्य के अनुमोदन और मूल्यांकन के लिए मैंने नियमित रूप से गाइड को अपना पूरा काम दिखाया है।
6. मैंने चरण 2 और 3 में मेरे द्वारा आयोजित प्रत्येक क्रिया सत्र की 5 मिनटों की रिकॉर्डिंग करी है। बच्चों के परिवारों से/स्कूल की मुख्याध्यापिका/मुख्याध्यापक से मैंने वीडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति प्राप्त की। इन वीडियो को मैं किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए इस्तेमाल नहीं करूँगी/करूँगा।

7क. मैंने विडियो रिकार्डिंग को यू-ट्यूब पर अपलोड किया है और प्रोजेक्ट फाइल को जमा कराने के पोर्टल पर इसका लिंक भी दिया है।

अथवा

7ख. मैंने प्रोजेक्ट फाइल पोर्टल पर अपलोड नहीं करी है। मैंने प्रोजेक्ट फाइल की हार्ड कॉपी सबमिट करी है। यू-ट्यूब का लिंक जहाँ मैंने विडियो अपलोड किए हैं, वह प्रोजेक्ट फाइल के पहले पृष्ठ पर लिखा है *(7क और 7ख में से जो विकल्प आपके लिए मान्य हो उस पर निशान लगाएं)*।

मैं प्रमाणित करता/करती हूँ मेरा यह प्रोजेक्ट वर्क मौलिक है जिसे मैंने स्वयं बनाया है। मैंने प्रोजेक्ट वर्क किसी अन्य स्रोत, इंटरनेट या किसी विद्यार्थी के काम की नकल करके नहीं बनाया है। संलग्नक 3क में दिए गए प्रोजेक्ट वर्क के अंक मेरे गाइड ने ही दिए हैं। मैं समझता/समझती हूँ कि यदि मेरे कार्य को किसी की नकल पाया गया तो विश्वविद्यालय द्वारा मेरे साथ समुचित कार्यवाही की जाएगी।

तिथि : विद्यार्थी का नाम ....

स्थान : विद्यार्थी के हस्ताक्षर ....

संशोधित संलग्नक 1क

(प्रोजेक्ट मैनुअल में दिए गए संलग्नक 1क की बजाए इसको भरें)

मौलिक व विधिवत् पूर्ण (Original and duly completed) प्रोजेक्ट वर्क के लिए प्रमाण-पत्र

नर्सरी स्कूल की मुख्याध्यापिका/मुख्याअध्यापक/प्रभारी/आंगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा सत्यापित

मैं प्रमाणित करती/करता हूँ कि श्री/श्रीमती/सुश्री .... (नामांकन संख्या .. ..) ने नियत अवधि के लिए .... दिन (कुल अवधि) .... के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में (गाइड का नाम). .... स्कूल में (नर्सरी स्कूल का पूरा नाम व पता) ....दिनॉक से (परियोजना कार्य शुरू करने की तिथि) .... दिनॉक तक (परियोजना कार्य पूर्ण होने की तिथि) परियोजना कार्य किया है। गाइड द्वारा बताए गए निम्नलिखित ब्यौरे सही हैं।

दिनांक :
स्थान :

नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र की मुख्याध्यपक/मुख्याध्यापिका /प्रभारी के हस्ताक्षर व नाम ....

स्कूल की स्टैम्प...

गाइड द्वारा प्रमाणित, जो नर्सरी स्कूल में विद्यार्थी के कार्य का मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण कर रही हैं

मैं प्रमाणित करती/करता हूँ कि सुश्री/श्रीमती/श्री ....,

नामांकन संख्या .... ने मेरे मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में परियोजना कार्य के दौरान निम्नलिखित कार्य पूरे किए।

विद्यार्थी ने :

1. चरण 1 में मेरे द्वारा बच्चों के साथ किए गए पाँच दिनों के कार्य का अवलोकन और विश्लेषण किया;
2. चरण 2 में 30 क्रियाओं की योजना बनाकर उन्हें आयोजित किया जिनका मैंने अवलोकन और मूल्यांकन किया;
3. चरण 3 में पाँच दिनों के लिए पाठ्यचर्या की योजना बनाई और चरण 3 में न्यूनतम 15 और अधिकतम 20 क्रिया सत्र आयोजित किए, जिनका मैंने अवलोकन और मूल्यांकन किया;
4. चरण 2 में 30 क्रिया-सत्रों और चरण 3 में न्यूनतम 15 और अधिकतम 20 क्रिया-सत्रों की रिपोर्टें लिखीं;
5. विद्यार्थी ने चरण 2 और 3 में बच्चे के साथ आयोजित प्रत्येक सत्र की वीडियो रिकॉर्ड करी;
6. विद्यार्थी ने मुझे सूचित किया कि वीडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति बच्चों के परिवारों/नर्सरी स्कूल की मुख्याध्यापिका/मुख्याध्यापक से ले ली थी और वह किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए वीडियो का इस्तेमाल नहीं करेगी/करेगा);
7. पूरे कार्य के अनुमोदन व मूल्यांकन के लिए विद्यार्थी पूरा कार्य नियमित रूप से मुझे दिखाती रही/रहा।

मैं प्रमाणित करती/करता हूँ विद्यार्थी का काम उसका अपना मौलिक कार्य है और मेरे पर्यवेक्षण में किया गया है। मैंने प्रोजेक्ट वर्क का मूल्यांकन किया है और संलग्नक 3क में विद्यार्थी को अंक दिए हैं। विद्यार्थी का काम किसी भी स्रोत, इंटरनेट या अन्य विद्यार्थी की नकल नहीं है। मैं जानती(ता) हूँ कि इग्नू टेलीफोन या ई-मेल के माध्यम से विद्यार्थी के प्रोजेक्ट वर्क की मौलिकता या प्रमाणिकता की मेरे से पुष्टि कर सकता है।

दिनांक :

स्थान :

गाइड का हस्ताक्षर व नाम ....

गाइड का फोन न. ....

गाइड का ई-मेल आईडी.. ....

नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र की मुख्याध्यपक/मुख्याध्यापिका /प्रभारी के हस्ताक्षर व नाम ....

स्कूल की स्टैम्प.. ....

इस संलग्नक में परियोजना कार्य के मूल्यांकन के मानक हैं, जिन्हें मार्गदर्शक मानते हुए आपके गाइड और नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र को मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका/प्रभारी आपके द्वारा स्कूल में किए गए काम का और विशेषज्ञों का पैनल आपकी परियोजना फाइल (परियोजना फाइल के इं.गां.रा.मु.वि. पहुँचने के बाद) का मूल्यांकन करते हुए ध्यान में रखेंगे।

भाग क : गाइड और नर्सरी स्कूल के मुख्याध्यापक/ मुख्याध्यापिका के संदर्भ के लिए मूल्यांकनार्थ मानक

गाइड और नर्सरी स्कूल के मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका/प्रभारी से अनुरोध है कि वे निम्नलिखित मानकों के आधार पर शिक्षार्थी का मूल्यांकन करें।

प्रथम चरण के दौरान मूल्यांकन

अंक

प्रथम चरण में काम के लिए कुल अंक : 50

प्रत्येक रिपोर्ट के लिए अधिकतम अंक : 10

मूल्यांकन के लिए मानदंड

जिन पहलुओं का शिक्षार्थी को अवलोकन करने और उन पर रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है, उन पहलुओं के बारे में जानने के लिए भाग 3 के उपभाग 7.7 को देखें। इन पहलुओं के अतिरिक्त, अंक देते समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान केंद्रित करें :

- रिपोर्ट में कितने विस्तार से ब्यौरा दिया गया है ।
- अवलोकनों का विश्लेषण और निकाले गए निष्कर्ष ।
- रिपोर्ट में किस हद तक यह प्रतिबिंबित होता है कि क्रियाएँ आयोजित करने और क्रिया सत्रों की योजना बनाने में निहित सिद्धांतों को शिक्षार्थी ने समझ लिया है।

द्वितीय चरण के दौरान मूल्यांकन

अंक

द्वितीय चरण में काम के लिए कुल अंक : 900

<u>अंकों का विभाजन</u>

- **30 सत्रों के लिए क्रिया योजनाएँ बनाना : 300 अंक**

  प्रत्येक क्रिया योजना के लिए अधिकतम अंक :10 – इनका आगे निम्नलिखित के अनुसार उप-विभाजन किया गया है:

मूल्यांकन के लिए मानदंड

- क्रिया योजना में जिन पहलुओं का शिक्षार्थी को वर्णन करना है, इसके बारे में जानने के लिए भाग 7 के उपभाग 7.4 को देखें।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक क्रिया-सत्र के विवरण को भी पढ़ें जिसमें उन विशेष पहलुओं का वर्णन है जो उस क्रिया विशेष पर लागू होते हैं और जिनका शिक्षार्थी को ध्यान रखना है।

अंक	मूल्यांकन के लिए मानदंड
	इसके अतिरिक्त अंक देते समय देखें कि क्या –
* क्रिया सत्र के लिए क्रिया/क्रियाओं की योजना बनाना : 6 अंक * शालापूर्व केंद्र में पहले से उपलब्ध सामग्रियों के अतिरिक्त शिक्षार्थी द्वारा खेल सामग्री/सहायक सामग्री बनाना/प्राप्त करना: 4 अंक	(i) योजनाबद्ध क्रिया — बच्चों की आयु के अनुरूप है? — इसमें बच्चों की रुचि बनी रहेगी? — उसे आयोजित करना संभव है?
(यदि किसी क्रिया विशेष के लिए किसी खेल सामग्री/सहायक सामग्री की जरूरत नहीं है तो यह निर्धारित 4 अंक क्रिया योजना के मूल्यांकन में शामिल किए जाएँ; अर्थात इस स्थिति में क्रिया योजना में क्रियाओं का मूल्यांकन 10 अंकों में से होगा।)	(ii) क्रिया/क्रियाओं के विवरण में स्पष्टता है । (iii) क्रिया/क्रियाओं का/के लक्ष्य बच्चों की आयु के अनुसार उचित है/हैं?
• **30 क्रिया सत्रों के दौरान क्रियाएँ आयोजित करना : 300 अंक** प्रत्येक क्रिया सत्र में क्रिया/क्रियाएँ आयोजित करने के लिए अधिकतम अंक : 10	बच्चों के साथ क्रिया/क्रियाएँ आयोजित करते समय शिक्षार्थी को जिन पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए, इनके बारे में जानने के लिए उपभाग 7.4 के अन्तर्गत 'रिपोर्ट लिखना' शीर्षक और उपभाग 7.6 को देखें। इसके अलावा प्रत्येक क्रिया सत्र के विवरण को भी देखें, जिसके अन्तर्गत उस क्रिया विशेष से संबंधित विशिष्ट पहलुओं के बारे में बताया गया है।
• **30 क्रिया सत्रों की रिपोर्ट लिखना: 300 अंक** प्रत्येक क्रिया सत्र की रिपोर्ट लिखने के लिए अधिकतम अंक : 10	जिन पहलुओं को शिक्षार्थी को रिपोर्ट में लिखना है, उनके बारे में जानने के लिए भाग 7 के उपभाग 7.4 को देखें। इसके अतिरिक्त प्रत्येक क्रिया सत्र के विवरण को भी पढ़ें, जिसमें उन विशेष पहलुओं का उल्लेख है जो उस क्रिया सत्र पर विशेष रूप से लागू होते हैं और जिन पर शिक्षार्थी को रिपोर्ट करना है। इनके अतिरिक्त, अंक देते समय निम्नलिखित पर ध्यान दें: — रिपोर्ट में कितनी स्पष्टता है । — किस हद तक शिक्षार्थी अपना स्व-मूल्यांकन कर पाया/पायी और यह सुझा पाया/पायी है कि उसे क्रिया/क्रियाओं को आयोजित करते समय क्या सुधार करने चाहिएँ।

तृतीय चरण के दौरान मूल्यांकन

अंक	मूल्यांकन के लिए मानदंड
तृतीय चरण के दौरान काम के लिए कुल अंक : शिक्षार्थी द्वारा योजनाबद्ध किए गए क्रिया सत्रों की संख्या के आधार पर यह 500-650 तक हो सकते हैं। (हमारी यह सलाह है कि 15-20 क्रिया सत्र इन पाँच दिनों में आयोजित किए जाएँ) <u>अंकों का विभाजन:</u>	
• **सप्ताह के लिए पाठ्यचर्या तैयार करना : 50** प्रत्येक दिन की पाठ्यचर्या तैयार करने के लिए अधिकतम अंक : 10	पाँच दिनों की पाठ्यचर्या का मूल्यांकन करने के लिए, देखें i) भीतरी और बाहरी क्रियाओं, ओजस्वी और शांत क्रियाओं, सामूहिक और व्यक्तिगत क्रियाओं, संरचित और मुक्त खेल क्रियाओं में संतुलन है या नहीं। ii) विकास के प्रत्येक क्षेत्र अर्थात संज्ञानात्मक, भाषायी, सामाजिक, शरीर-क्रियात्मक, भावात्मक— से संबंधित क्रियाएँ पूरे सप्ताह में शामिल हैं या नहीं। iii) प्रत्येक क्रिया सत्र की अवधि पर्याप्त है या नहीं।
• **क्रिया सत्रों (जो 15 से 20 तक हो सकते हैं) के लिए क्रिया योजनाएँ बनाना : 150 से 200 अंक** प्रत्येक क्रिया योजना के लिए अधिकतम अंक : 10 (6 + 4 जैसा कि दूसरे चरण में वर्णित है)	क्रिया योजना का मूल्यांकन आयोजित क्रियाओं का मूल्यांकन और क्रिया-सत्रों की रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के लिए मानदंड वही हैं जो दूसरे चरण के मूल्यांकन के अन्तर्गत स्पष्ट किए गए हैं।
• **क्रिया-सत्रों के दौरान क्रियाएँ आयोजित करना (15 से 20 तक) : 150 से 200** प्रत्येक क्रिया सत्र में क्रिया/क्रियाएँ आयोजित करने के लिए अधिकतम अंक : 10	
• **क्रिया सत्रों जिनकी संख्या (15 से 20 हो सकती है) की रिपोर्ट लिखना: 150 से 200 रिपोर्ट** प्रत्येक सत्र की रिपोर्ट के लिए अधिकतम अंक : 10	

भाग ख : विशेषज्ञ के संदर्भ के लिए परियोजना फाइल के मूल्यांकन हेतु मानक (परियोजना फाइल के इं.गां.रा.मु.वि. आने के बाद)

विशेषज्ञों से अनुरोध है कि परियोजना फाइल का मूल्यांकन करते समय नीचे दिए जा रहे मानकों को ध्यान में रखें।

परियोजना कार्य के दौरान शिक्षार्थी ने विभिन्न कार्य कैसे किए होंगे, परियोजना फाइल इसका निर्धारण करने का परोक्ष तरीका है। क्रिया योजना और रिपोर्टों के माध्यम से आपको यह निर्णय लेना होगा कि शिक्षार्थी द्वारा असलियत में क्रिया सत्र किस प्रकार आयोजित किए गए होंगे।

गाइड और मुख्याध्यापिका/मुख्याध्यापक द्वारा दी गई अभ्युक्तियाँ (remarks) शिक्षार्थी के कार्य-निष्पादन को प्रतिबिंबित करेंगी। जबकि ये अभ्युक्तियाँ आपके मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शन बन सकते हैं, फिर भी आपको परियोजना फाइल के माध्यम से शिक्षार्थी के कार्य के बारे में अपने स्वतंत्र विचार बनाने होंगे।

विभिन्न चरणों में किए गए कार्य का मूल्यांकन करते समय आपको जिन पहलुओं को ध्यान में रखना होगा वे इस नियमावली के उपभाग 3.3, 7.4, 7.6 और इस नियमावली के उपभाग 7.7 में वर्णित विभिन्न क्रिया-सत्रों और संलग्नक 2 के भाग क के अंतर्गत विनिर्दिष्ट हैं। अधिकतम अंक जो दिए जा सकते हैं वे इस प्रकार हैं :

प्रथम चरण का मूल्यांकन

प्रथम चरण में कार्य के लिए कुल अंक	:	50
प्रत्येक रिपोर्ट के लिए अधिकतम अंक	:	10

दूसरे चरण का मूल्यांकन

दूसरे चरण में काम के लिए कुल अंक	:	600

अंकों का विभाजन

• 30 सत्रों के लिए क्रिया-योजनाएँ बनाना	:	300
प्रत्येक क्रिया योजना के लिए अधिकतम अंक	:	10
इन्हें आगे निम्नानुसार पुनः विभक्त किया गया है :		
सत्र के लिए क्रिया/क्रियाओं की योजना बनाना	:	06
शालापूर्व केंद्र में पहले से उपलब्ध सामग्रियों के अतिरिक्त शिक्षार्थी द्वारा खेल सामग्री/सहायक सामग्री बनाना/प्राप्त करना (यदि किसी क्रिया विशेष के लिए किसी खेल सामग्री/सहायक सामग्री की जरूरत नहीं, तो यह निर्धारित 4 अंक क्रिया योजना के मूल्यांकन में जुड़ेंगे । अर्थात, फिर क्रिया योजना का मूल्यांकन 10 अंक में से होगा ।	:	04
• 30 क्रिया सत्रों की रिपोर्ट लिखना	:	300
प्रत्येक क्रिया सत्र की रिपोर्ट लिखने के लिए अधिकतम अंक	:	10

तृतीय चरण का मूल्यांकन

तृतीय चरण में काम के लिए कुल अंक योजनाबद्ध क्रिया सत्रों की संख्या के आधार पर 350-450 तक (यह सलाह दी जाती है कि लगभग 15 से 20 क्रिया सत्रों की योजना बनाई जाए)

अंकों का विभाजन

• सप्ताह के लिए पाठ्यचर्या तैयार करना	:	50
• क्रिया सत्रों (15 से 20 तक) के लिए क्रिया योजनाएँ बनाना	:	150-200
प्रत्येक क्रिया योजना के लिए अधिकतम अंक (6 + 4, जैसा कि दूसरे चरण में वर्णित है)	:	10
• क्रिया सत्रों (15 से 20 तक) की रिपोर्ट लिखना	:	150-200
प्रत्येक सत्र की रिपोर्ट के लिए अधिकतम अंक	:	10

संलग्नक 3

इस संलग्नक के भाग क और ख को परियोजना फाइल के साथ संलग्न करना न भूलें। संदर्भ के लिए फोटोप्रति अपने पास रखें ।

भाग क : गाइड और नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र के मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका द्वारा प्रयोग के लिए मूल्यांकन शीट

गाइड से अनुरोध है कि नीचे दी गई शीट पर शिक्षार्थी के विभिन्न कार्यों के लिए दिए गए अंकों को लिखें। ये अंक प्रत्येक रिपोर्ट और क्रिया योजना पर भी लिखे होने चाहिएँ। क्रिया योजना और रिपोर्ट पर गाइड अपनी विस्तृत टिप्पणियाँ भी लिखेंगे। तीन क्रिया सत्रों के लिए, (बेहतर होगा यदि ये क्रिया सत्र दूसरे चरण के उत्तरार्द्ध के हों) अंक और टिप्पणियाँ गाइड की बजाए नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र के मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका/प्रभारी द्वारा दिए जाएँगे।

प्रथम चरण में शिक्षार्थी द्वारा प्राप्त अंक

रिपोर्ट	अंक
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
कुल अंक	

द्वितीय चरण में शिक्षार्थी द्वारा प्राप्त अंक

क्रिया सत्र	क्रिया योजना	क्रिया/क्रियाएँ आयोजित करना	क्रिया सत्र की रिपोर्ट	कुल अंक
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

क्रिया सत्र	क्रिया योजना	क्रिया/क्रियाएँ आयोजित करना	क्रिया सत्र की रिपोर्ट	कुल अंक
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				
11.				
12.				
13.				
14.				
15.				
16.				
17.				
18.				
19.				
20.				
21.				
22.				
23.				
24.				
25.				
26.				
27.				
28.				
29.				
30.				
कुल अंक				

मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका/प्रभारी द्वारा मूल्यांकित क्रिया-सत्रों को कृपया बताएँ

तृ. य चरण में शिक्षार्थी द्वारा प्राप्त अंक

क) पाँच दिनों के लिए पाठ्यचर्या :

दिन	अंक
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
कुल अंक	

ख) क्रिया सत्रों के लिए

क्रिया सत्र	क्रिया योजना	क्रिया सत्र आयोजित करना	क्रिया सत्र की रिपोर्ट	कुल अंक
पहला दिन				
1.				
2.				
3.				
4.				
दूसरा दिन				
1.				
2.				
3.				
4.				
तीसरा दिन				
1.				
2.				
3.				
4.				
चौथा दिन				
1.				
2.				
3.				
4.				

पाँचवां दिन

1.

2.

3.

4.

कुल अंक

तृतीय चरण के कुल अंक = क + ख = ____________

परियोजना कार्य के लिए शिक्षार्थी

द्वारा प्राप्त कुल अंक = ____ (Y)

(प्रथम चरण + द्वितीय चरण + तृतीय चरण के लिए अधिकतम अंक*)

में से ____ (X)

(प्रथम चरण + द्वितीय चरण + तृतीय चरण में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त अंक)

* यह तृतीय चरण में आयोजित क्रिया सत्रों की संख्या के आधार पर प्रत्येक शिक्षार्थी के अलग-अलग अंक होंगे।

जैसा कि आप जानते हैं, गाइड और मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका दोनों द्वारा किया गया मूल्यांकन कुल अंकों का 70% होगा।

इसलिए $70\% = \frac{x}{y} \times 70 =$ ____

(वह अंक जो ग्रेड कार्ड में दर्शाए जाएँगे)

गाइड से अनुरोध है कि परियोजना कार्य के दौरान शिक्षार्थी के कार्य के बारे में अपने विचारों को 200-400 शब्दों में व्यक्त करें। यदि आवश्यक हो तो आप अतिरिक्त शीट का प्रयोग भी कर सकते हैं।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : गाइड के हस्ताक्षर

स्थान : मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका के हस्ताक्षर

भाग ख : परियोजना फाइल (इं.गां.रा.मु.वि. में आने के बाद) के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ के प्रयोग के लिए मूल्यांकन शीट

विशेषज्ञ से अनुरोध है कि वह शिक्षार्थी को विभिन्न रिपोर्टों और क्रिया योजनाओं के अंक मिलाकर निम्नलिखित शीट पर लिखें।

प्रथम चरण में शिक्षार्थी द्वारा प्राप्त अंक

रिपोर्ट	अंक
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
कुल अंक	

दूसरे चरण में शिक्षार्थी द्वारा प्राप्त अंक

क्रिया सत्र	क्रिया योजना	क्रिया सत्र की रिपोर्ट	कुल अंक
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			
11.			

क्रिया सत्र	क्रिया योजना	क्रिया सत्र की रिपोर्ट	कुल अंक
12.			
13.			
14.			
15.			
16.			
17.			
18.			
19.			
20.			
21.			
22.			
23.			
24.			
25.			
26.			
27.			
28.			
29.			
30.			
कुल अंक			

तृतीय चरण में शिक्षार्थी द्वारा प्राप्त अंक

क) पाँच दिनों के लिए पाठ्यचर्या

दिन	अंक
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
कुल	

ख) क्रिया सत्रों के लिए

क्रिया सत्र	क्रिया योजना	क्रिया सत्र की रिपोर्ट	कुल अंक
पहला दिन			
1.			
2.			
3.			
4.			
दूसरा दिन			
1.			
2.			
3.			
4.			
तीसरा दिन			
1.			
2.			
3.			
4.			
चौथा दिन			
1.			
2.			
3.			
4.			
पाँचवां दिन			
1.			
2.			
3.			
4.			
कुल अंक			

तृतीय चरण के कुल अंक = क + ख =

परियोजना कार्य के लिए शिक्षार्थी
द्वारा प्राप्त कुल अंक = ____________ (y)

प्रथम चरण + द्वितीय चरण + तृतीय चरण
के लिए अधिकतम अंक*)

में से ____________ (x)

प्रथम चरण + द्वितीय चरण + तृतीय चरण
में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त अंक)

* यह तृतीय चरण में आयोजित क्रिया सत्रों की संख्या के आधार पर प्रत्येक शिक्षार्थी के लिए अलग-अलग अंक होंगे।

जैसा कि आप जानते हैं, विशेषज्ञों द्वारा किया गया मूल्यांकन, कुल अंकों का 30% होगा।

इसलिए 30% = $\frac{x}{y} \times 30 =$ ____________

(वह अंक जो ग्रेड कार्ड पर दर्शाएँ जाएँगे)

दिनांक : विशेषज्ञ के हस्ताक्षर

स्थान :

....

विशेषज्ञ से अनुरोध है कि संलग्नक 3 के भाग 'क' में गाइड द्वारा दिए गए अंकों और इस भाग में विशेषज्ञ द्वारा दिए गए अंकों को जोड़कर निम्नलिखित चार्ट में लिखें।

गाइड द्वारा 70 में से दिए गए अंक	**विशेषज्ञ द्वारा 30 में से दिए गए अंक**	**कुल (100 में से)**

दिनांक : विशेषज्ञ के हस्ताक्षर

स्थान :

संलग्नक 4

भाग क : पृष्ठभूमि संबंधी सूचना

(शिक्षार्थी द्वारा भरा जाएगा)

इस फार्म से प्राप्त सूचना का आपकी परियोजना कार्य के मूल्यांकन से कोई आशय नहीं है। बल्कि यह सूचना डिप्लोमा करने वाले शिक्षार्थियों का प्रोफाइल बनाने में सहायक होगी और इस संरचना के आधार पर हम डिप्लोमा को और बेहतर बना सकेंगे।

कृपया इस फार्म को सही-सही भरें। कोई भी प्रश्न अनुत्तरित न छोड़ें।

संलग्नक 4 का भाग क और ख प्रो. प्रभा चावला, महिला शिक्षा, खंड-2, सतत शिक्षा विद्यापीठ, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी-110 068 को डाक द्वारा भेजें।

1) नाम :

2) नामांकन संख्या :

3) आयु :

4) लिंग :

5) पता :

6) शैक्षिक अर्हता :

7) रोज़गार प्राप्त/बेरोज़गार :

8) यदि रोज़गार प्राप्त हैं तो, कार्य की प्रकृति और जिस संगठन में कार्यरत हैं, उसके ब्यौरे दें (यदि आप पहले किसी अन्य संगठन/संगठनों में थे तो उनके ब्यौरे भी दें) :

9) प्रत्येक संगठन में कार्य की अवधि :

10) आपका क्षेत्रीय केंद्र :

11) आपका अध्ययन केंद्र :

12) नर्सरी स्कूल का नाम और पता जहाँ आपकी नियुक्ति हुई :

13) नर्सरी स्कूल में आपके गाइड पर कितने बच्चों का कार्य भार था :

14) आपके गाइड का नाम :

भाग ख : परियोजना कार्य पर प्रतिपुष्टि

(शिक्षार्थी द्वारा भरा जाएगा)

निम्नलिखित प्रश्नों द्वारा प्राप्त सूचना का आपके परियोजना कार्य के मूल्यांकन से कोई आशय नहीं है। यह सूचना गुप्त रखी जाएगी। इन प्रश्नों के उत्तर पूछने का हमारा लक्ष्य आगामी बैच के विद्यार्थियों के लिए परियोजना कार्य को और बेहतर बनाना है या उसमें सुधार करना है। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

यदि प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको स्थान अपर्याप्त (कम) लगे, तो कृपया शीट संलग्न करें।

1) आपको परियोजना कार्य कैसा लगा :

	हाँ	कुछ हद तक	नहीं
क) रोचक	☐	☐	☐
ख) अनुदेशात्मक	☐	☐	☐
ग) सूचनात्मक	☐	☐	☐
घ) कठिन	☐	☐	☐

यदि कठिन लगा, तो किस प्रकार से कठिन लगा?

____

____

____

____

____

____

2) क्या परियोजना कार्य से आपको छोटे बच्चों के साथ कार्य करने के कौशलों को विकसित करने में सहायता मिली?

बिल्कुल नहीं ☐

कुछ हद तक ☐

काफी हद तक ☐

3) परियोजना नियमावली में परियोजना कार्य से संबंधित क्या कुछ ऐसी सूचना/अनुदेश थे जो स्पष्ट नहीं थे/समझ में नहीं आए?

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि हाँ, तो वह क्या था? उसमें क्या स्पष्ट नहीं था?

____

____

4) क्या परियोजना कार्य से संबंधित कोई ऐसी सूचना थी जो परियोजना नियमावली में नहीं दी गई थी?

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि हाँ, तो वह क्या थी?

5) परियोजना कार्य करते समय क्या आपको समस्याओं का सामना करना पड़ा?

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि हाँ, तो कौन-कौन सी समस्याएँ थीं?

6. क्या आपको निम्नलिखित के संबंध में किन्हीं समस्याओं का सामना करना पड़ा?

— नर्सरी स्कूल में नियुक्त के लिए

हाँ ☐ नहीं ☐

— गाइड मिलने में

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि हाँ, तो समस्याएँ किस प्रकार की थी ? बताइए ।

7) क्या आप 90 कार्य-दिवसों की नियत अवधि में परियोजना कार्य पूरा कर सके ?

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि नहीं, तो क्या कारण था?

8) आपके विचार में छोटे बच्चों के साथ अंत:क्रिया के लिए कौशल विकसित करने के लिए क्या 90 कार्य-दिवसों की अवधि पर्याप्त है?

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि नहीं, तो परियोजना कार्य के लिए कितनी अवधि होनी चाहिए और क्यों?

9) क्या आप परियोजना कार्य के लिए परामर्श सत्र/सत्रों में गए?

हाँ ☐ नहीं ☐

क) यदि हाँ

i) तो कितने सत्रों में गए ?

ii) आपको परामर्श सत्र/सत्रों में जाना कैसा लगा ?

उपयोगी ☐

आंशिक रूप से उपयोगी ☐

उपयोगी नहीं ☐

ख) यदि आप परामर्श सत्रों में नहीं गए, तो इसका क्या कारण था?

10) क्या आपने गाइड या नर्सरी स्कूल प्राधिकारियों के संबंध में किसी समस्या का सामना किया?

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि हाँ, तो वे क्या थीं ?

11) क्या आपने किसी क्रिया सत्र के लिए क्रिया/क्रियाओं की योजना बनाने में किसी समस्या का सामना करना पड़ा ?

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि हाँ, तो किसी क्रिया-सत्र/सत्रों के संदर्भ में आपने समस्या का सामना किया?

12) परियोजना कार्य को सुधारने के लिए क्या आपके पास कोई सुझाव है?

हाँ ☐ नहीं ☐

यदि हाँ, तो आप क्या सुझाव देना पसंद करेंगे?

संलग्नक 5

भाग क : नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र के श्रेणी निर्धारण के लिए जाँच सूचियाँ

शालापूर्व केंद्र/नर्सरी स्कूल का श्रेणी निर्धारण निम्नलिखित चार जाँच सूचियों के आधार पर किया जाएगा। कोई भी नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र जो प्रत्येक जाँच सूची में दी गई तीन-चौथाई मदों की शर्तों को पूरा करता है, उसे नियुक्ति (placement) के लिए योग्य माना जा सकता है। अर्थात प्रत्येक जाँच सूची की तीन-चौथाई मदों का उत्तर ''हाँ'' होना चाहिए। तथापि दो ऐसी शर्तें हैं जिन्हें नर्सरी स्कूल/शालापूर्ब केंद्र द्वारा पूरा करना अनिवार्य है। ये हैं :

i) नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र में शिक्षक/शिक्षिका और बच्चों का अनुपात किसी भी हालत में 1:35 से ज्यादा नहीं होना चाहिए; अर्थात एक शिक्षिका/शिक्षक की देखरेख में 35 से ज्यादा बच्चे नहीं होने चाहिए। यदि नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र में शिक्षक-बच्चों का अनुपात इससे ज्यादा है, तो उसे नियुक्ति के लिए नहीं चुना जा सकता। यदि बच्चों का समूह इससे बड़ा होगा तो शिक्षक/शिक्षिका और बच्चों के बीच अंत:क्रिया का स्तर नकारात्मक रूप से प्रभावित होगा। जैसा कि आप जानते हैं वस्तुत: आदर्श रूप में एक शिक्षिका/शिक्षक को केवल 15 से 20 बच्चों के साथ ही काम करना चाहिए। तथापि देश की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, हमने शिक्षक-बच्चों का अनुपात बढ़ाकर 1:35 कर दिया है क्योंकि यदि हम 1:15 या 20 अनुपात के लिए आग्रह करते हैं, तो इस अनुपात वाले शालापूर्व केंद्र/नर्सरी स्कूल का पता लगा पाना आपके लिए कठिन होगा।

ii) केंद्र ऐसा होना चाहिए जिसमें बच्चों को सप्ताह में कम से कम 2-3 बार बाहरी खेल के लिए ले जाया जाता हो। नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र में खेल का मैदान न हो, तो भी बच्चों को नजदीक पार्क या खुले क्षेत्र में खेलने के लिए ले जाया जाता हो

इस प्रकार, यदि चारों जाँच सूचियों की अधिकांश मदों का उत्तर ''हाँ'' होता है और फिर भी यदि नर्सरी स्कूल उपर्युक्त दोनों शर्तों को पूरा नहीं करता, तो उसका चयन नहीं किया जाना चाहिए।

जाँच सूचियाँ अगले पृष्ठों में दी गई हैं।

कार्यकर्ता का मूल्यांकन करने के लिए जाँच सूची

यदि कोई मद स्पष्ट है तो उसके आगे हाँ के कॉलम में सही (√) का निशान लगाइए। यदि वह स्पष्ट नहीं है तो ''नहीं'' के कॉलम में सही (√) का निशान लगाइए:

मदों की सूची	हाँ	नहीं
1) स्टाफ की संख्या पर्याप्त है, जिससे प्रत्येक दिन के दौरान किसी समय प्रत्येक बच्चे को शिक्षक से व्यक्तिगत रूप से ध्यान मिल पाता है। अर्थात शिक्षक-बालक अनुपात निम्नलिखित है : शालापूर्व बच्चों के लिए 1: 15-20 13-36 माह के आयु वर्ग के बच्चों के लिए 1 : 8 शिशुओं के लिए 1 : 4 है ।		

मर्दों की सूची	हाँ	नहीं
2) बच्चों तथा शिक्षकों के बीच स्नेहमयी संबंध हैं ।		
3) स्टाफ बच्चों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता प्रदर्शित करता है ।		
4) स्टाफ की क्रियाएँ तथा कार्यकलाप बाल-केंद्रित हैं ।		
5) कार्यकर्ता की मनोवृत्ति कठोर नहीं है। दूसरे शब्दों में, वह बच्चों तथा उनके माता-पिता से प्राप्त सुझावों पर विचार करने के लिए तैयार हैं अर्थात उनका आचरण लचीला है ।		
6) शिक्षक बच्चों के बीच में घूमते हैं जिससे कि प्रत्येक बच्चे को उनका ध्यान प्राप्त हो सके ।		
7) शिक्षक बच्चों का प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करते हैं; वह स्वतंत्र व्यवहार को भी प्रोत्साहित करते हैं ।		
8) शिक्षक शारीरिक दंड नहीं देते हैं ।		
9) स्टाफ अकसर ही अच्छे काम के लिए बच्चों की प्रशंसा करता है तथा अच्छे काम करने के लिए उन्हें बढ़ावा देता है ।		
10) शिक्षक बच्चे के गलत व्यवहार को सुधारने का प्रयास करते हैं ।		
11) शिक्षक बच्चे को उनकी क्षमताओं के बारे में प्रतिपुष्टि देते हैं, परंतु यह सकारात्मक रूप में दिया जाता है ।		
12) शिक्षक बच्चों का सम्मान करते हैं तथा उनका विश्वास करते हैं ।		
13) शिक्षक प्रत्येक बच्चे की प्रगति से अवगत हैं ।		
14) कार्यकर्ता जागरूक एवं सक्रिय हैं तथा जानते हैं कि केंद्र में किसी भी समय क्या हो रहा हैं ।		
15) बच्चों को तथ्यों की जानकारी देने के साथ-साथ सोचने तथा तर्क के आधार पर उत्तर प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता हैं ।		
16) बच्चे केंद्र में आराम से तनावरहित एवं प्रसन्नचित रहते हैं ।		
17) कार्यकर्ता बच्चों के माता-पिता से नियमित रूप से मिलते हैं ।		
18) शिक्षकों तथा बच्चों के अभिभावकों के बीच अच्छा संपर्क एवं संप्रेषण हैं ।		
19) अभिभावकों को कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता हैं ।		
20) कार्यकर्ता अभिभावकों के लिए सर्वाधिक बैठकें आयोजित करते हैं ।		
21) शिक्षक आपस में मिलकर एक-दूसरे की सहायता से काम करते है ।		

पाठ्यचर्या के मूल्यांकन के लिए जाँच सूची

सही का निशान (√) मद के सामने "हाँ" वाले कॉलम में लगाइए जब केंद्र की गतिविधियों में वह स्पष्ट हो और सही का निशान (√) "नहीं" के कौलम में लगाइए जब वह गतिविधि स्पष्ट न हो।

मदों की सूची	हाँ	नहीं
1) एक व्यवस्थित दैनिक कार्यक्रम है।		
2) ऐसा प्रतीत होता है कि बच्चे जो कर रहे हैं, उससे वह प्रसन्न हैं और उसे पसंद करते हैं तथा उसके प्रति उत्साहित भी हैं ।		
3) कार्यक्रम विकास के सभी क्षेत्रों को बढ़ावा देता है अर्थात यह बच्चों का पूर्ण विकास करता है ।		
4) खेल क्रियाएँ बच्चों की आवश्यकताओं एवं योग्यताओं के अनुरूप हैं ।		
5) क्रियाएँ रोचक एवं चुनौतीपूर्ण हैं ।		
6) सामान्य रूप से बच्चे क्रियाओं में व्यस्त रहते हैं वे बैठे नहीं रहते ।		
7) खेल क्रियाओं में विविधता है ।		
8) क्रियाएँ बच्चों को अपने आपको अभिव्यक्त करने का अवसर देती हैं ।		
9) क्रियाएँ इस प्रकार की हैं कि वे बच्चों को प्रयोग तथा अन्वेषण करने एवं प्रश्न पूछने का अवसर देती हैं ।		
10) बच्चों की जिज्ञासा को संतुष्ट किया जाता है ।		
11) बच्चों को आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ।		
12) प्रतिदिन कुछ भीतरी तथा कुछ बाहरी खेल क्रियाएँ आयोजित की जाती हैं ।		
13) प्रतिदिन संरचित तथा मुक्त खेल क्रियाओं में सामंजस्य रखा जाता है ।		
14) ऊर्जस्वी एवं शांत क्रियाओं में समांजस्य है ।		
15) सामूहिक एवं व्यक्तिगत, दोनों प्रकार के खेलों के अवसर दिए जाते हैं ।		
16) एक क्रिया समाप्त करने पर दूसरी क्रिया व्यवस्थित ढंग से शुरू की जाती है ।		
17) क्रिया के चयन में शिक्षक लड़के अथवा लड़कियों में भेद नहीं करते हैं । दूसरे शब्दों में, लड़के तथा लड़कियों को समान रूप से सभी क्रियाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ।		
18) पाठ्यचर्या बाल केंद्रित है, अर्थात वह बच्चों की आवश्यकता तथा उनकी रुचियों पर आधारित है ।		

जगह और खेल-सामग्री का मूल्यांकन करने के लिए जाँच सूची

मद के सामने सही का निशान (√) "हाँ" वाले कॉलम में लगाइए, जब वह मद स्पष्ट हो तथा सही का निशान (√) "नहीं" वाले कॉलम में लगाएं, जब वह स्पष्ट न हो ।

मदों की सूची	हाँ	नहीं
1) केंद्र में पर्याप्त भीतरी जगह उपलब्ध है; अर्थात, फर्नीचर तथा समान रखने के बाद बिना बाधा के चलने-फिरने के लिए पर्याप्त स्थान है ।		
2) केंद्र में बाहर भी सुरक्षित रूप से खेलने के लिए पर्याप्त जगह है ।		
3) कमरों में प्रकाश तथा वायुसंचारण पर्याप्त है ।		
4) केंद्र में पर्याप्त सफाई रखी जाती है– विशेष रूप से खाना बनाने वाली जगह में।		
5) भिन्न-भिन्न प्रकार की खेल सामग्री उपलब्ध है ।		
6) खेल सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है जिससे कि बच्चों में उसको लेकर लड़ाई नहीं होती।		
7) किताबें, प्रहेलिकाएँ, गुटके, गुड़ियों तथा अन्य खेल सामग्री अलमारी में बंद करके रखने की बजाय इस प्रकार रखी गई हैं कि बच्चे उन तक आसानी से पहुँच सकते हैं ।		
8) खेल सामग्री बच्चों की आयु के अनुरूप है ।		
9) बच्चों को खेल सामग्री अपने आप बनाने के लिए भी प्रेरित किया जाता है ।		
10) खेल सामग्री सुरक्षित एवं अधिक समय तक चलने वाली है ।		
11) बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों, मिट्टी की आकृतियों तथा अन्य सामग्रियों को रखने के लिए जगह हैं ।		
12) प्राथमिक उपचार सुविधा उपलब्ध है ।		
13) अग्नि सुरक्षा उपाय उपलब्ध हैं ।		
14) सभी बच्चों के लिए थोड़ी देर के लिए सोने की जगह उपलब्ध है ।		
15) बच्चों के लिए अल्पाहार बनाने की उपयुक्त व्यवस्था है ।		

सफाई के मूल्यांकन के लिए जाँच सूची

यदि मद स्पष्ट है तो सही का निशान (√) "हाँ" वाले कॉलम में लगाइए अन्यथा "नहीं" वाले कॉलम में ।

मदों की सूची	**हाँ**	**नहीं**
1) कार्यकर्ता कार्यक्षेत्र को साफ रखते हैं ।		
2) खाना बनाने तथा खाने के लिए प्रयुक्त बर्तन साफ हैं ।		
3) बच्चे साफ-सुथरे हैं ।		
4) पीने का पानी साफ है तथा ढककर रखा जाता है ।		
5) कार्यकर्ता खाना बनाने तथा परोसने से पहले अपने हाथ धोते हैं ।		
6) बच्चे खाना खाने से पहले तथा बाद में अपने हाथ धोते हैं ।		

भाग ख : प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में डिप्लोमा के लिए अनुमोदित भुगतान संरचना

क्रम सं.	क्रियाएँ/कार्मिक	भुगतान दरें
1.	शिक्षार्थी के निष्पादन का मार्गदर्शन और मूल्यांकन करने के लिए नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र पर शिक्षार्थी के गाइड को भुगतान	300 रु. प्रति शिक्षार्थी *
2.	नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र के मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिका द्वारा प्रत्येक शिक्षार्थी की तीन-तीन क्रियाओं के लिए आधारभूत संरचना, उपभोज्य प्रदान करने और मूल्यांकन करने के लिए नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र को भुगतान	50 रु. प्रति शिक्षार्थी *

* शीघ्र ही इन दरों में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है।

संलग्नक 6

यह संलग्नक (क्षेत्रीय निदेशक/सहायक क्षेत्रीय निदेशक/संचालक/क्षेत्रीय निदेशक द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति, द्वारा प्रमाणित होना चाहिए)

क्षेत्रीय निदेशक/सहायक क्षेत्रीय निदेशक/संचालक/क्षेत्रीय निदेशक द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति, द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि

____

(नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र का नाम व पता)

नर्सरी स्कूल/शालापूर्व केंद्र का मैंने दौरा किया और उसे शिक्षार्थी की नियुक्ति के लिए उपयुक्त पाया गया।

क्षेत्रीय निदेशक/सहायक क्षेत्रीय निदेशक/संचालक/क्षेत्रीय निदेशक द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति के हस्ताक्षर

दिनांक :

स्थान :

संलग्नक 7

गाइड की शैक्षिक योग्यताएँ और व्यावसायिक अनुभव से संबंधित ब्यौरे

पृष्ठ 12 पर दिए गए मानदंडों को ध्यान में रखते हुए गाइड की शैक्षिक योग्यताएँ और व्यावसायिक अनुभव से संबंधित निम्नलिखित ब्यौरे गाइड द्वारा भरें जाएंगे। गाइड इसे प्रमाणित (certify) करें और फिर नर्सरी स्कूल की मुख्याध्यापिका/मुख्याध्यापक/प्रभारी/अध्ययन केंद्र के कोआरडिनेटर द्वारा भी सत्यापित (verify) कराएं।

विद्यार्थी यह फारमेट गाइड को दिखाएँ और प्रोजेक्ट फाइल में भरे गए इस संलग्नक को लगाएँ।

गाइड का नाम ....

गाइड की भौक्षिक योग्यताएँ ....

इस संलग्नक के साथ शैक्षणिक योग्यताओं की फोटो कॉपी लगाएँ

शालापूर्व बच्चों को पढ़ाने का अनुभव (वर्षों की संख्या), ...

शालापूर्व शिक्षा संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने की अवधि, यदि भाग लिया है तो ....

यह प्रमाणित किया जाता है कि मेरे द्वारा दी गई सारी जानकारी सही है।

तिथि :

स्थान :

नर्सरी स्कूल में कार्यरत गाइड का नाम व हस्ताक्षर ....

गाइड का फोन नं. तथा ई-मेल ....

अध्ययन केंद्र के को-ऑरडिनेटर/नर्सरी स्कूल के
मुख्याध्यापक (मुख्याध्यापिका)/प्रभारी के हस्ताक्षर व नाम ....

अध्ययन केंद्र के कोऑरडिनेटर/नर्सरी स्कूल की मुख्याध्यापिक या मुख्याध्यापक या प्रभारी की स्टैम्प ....